

स्वागतम्

स्वागतम्

नमो नमः

वारवेन्द्रप

स्वागतम्

नमो नमः

स्वागतम्

स्वागतम्

Welcome

चलिए शुरू करें

## भाषा चुनें:

- हिन्दी
- தமிழ்
- తెలుగు
- বাংলা
- ગુજરાતી
- કન્નಡ
- ઓଡ଼ିଆ
- ਪੰਜਾਬੀ
- English

अगला

मैं हूँ ब्राह्मी लिपि।

अति प्राचीन, अत्यन्त महत्वपूर्ण और अत्यधिक  
प्रिय!

अगला

## आपका लक्ष्य क्या है?

- धार्मिक ज्ञान के लिए
- ऐतिहासिक शोध
- कौशल विकास
- परीक्षा/करियर

अगला

## मेरा छोटा-सा परिचय

**क्या आप जानना चाहेंगे?**

**या सीधे आगे बढ़ना चाहेंगे?**

मैं आदि ब्रह्मा, प्रथम तीर्थकर महाराजा श्री ऋषभदेव  
जी के द्वारा बनाई गई लिपि हूँ।

अगला

मुझे उन्होंने अपनी पुत्री ब्राह्मी को पढ़ाते समय रचा।

अगला

ब्राह्मी के साथ ही महाराज श्री ऋषभदेव जी ने  
अपनी दूसरी पुत्री सुन्दरी को भी ‘अंक विद्या’  
सिखाई।

अगला

उन दोनों ने भगवान् श्री ऋषभदेव जी द्वारा प्रदत्त  
विद्याओं का अत्याधिक प्रचार किया।

अगला

## मेरा नाम ‘ब्राह्मी लिपि’ क्यों पड़ा?

इस लिपि का ज्ञान सामान्य प्रजा को ब्राह्मी ने दिया,  
उसके कारण से ही मेरा नाम ‘ब्राह्मी लिपि’ पड़ा।

अगला

मैं भाषा नहीं हूँ!

स्मरण रहे कि मैं कोई भाषा नहीं हूँ, केवल लिखने  
की पद्धति हूँ।

अगला

1. “जिस तरीके से हम बोलते हैं, उसे ‘भाषा’ कहते हैं।”

जैसे — हिन्दी, बंगाली, तेलुगू, तमिल, गुजराती, कन्नड़, ओडिया, पंजाबी, अंग्रेज़ी आदि।

अगला

2. “जिस माध्यम से किसी भाषा को लिखा जाता है, उसे ‘लिपि’ कहते हैं।”

जैसे — हिन्दी—देवनागरी, बंगाली—बंगाली,  
तेलुगू—तेलुगू, तमिल—तमिल, गुजराती—गुजराती,  
कन्नड़—कन्नड़, ओडिया—ओडिया, पंजाबी—गुरुमुखी,  
अंग्रेज़ी—लैटिन आदि।

अगला

## मेरी विशेषता

मैं मूल रूप से ‘प्राकृत भाषा’ की लिपि हूँ।

अगला

परन्तु मुझे देवनागरी लिपि अथवा लैटिन/रोमन लिपि के समान किसी भी भाषा को लिखने में उपयोग कर सकते हैं।

अगला

और हाँ, मैं आपको एक रहस्य बताती हूँ।

आप मुझे आपकी गुप्त लिपि बनाकर सारे रहस्य  
सामान्य लोगों से छिपाकर रख सकते हैं।

अगला

## मेरा महत्व

मेरे स्वर और व्यञ्जन, देवनागरी (हिन्दी) जैसे ही हैं।  
मैं आपको सीधा तीर्थकर श्री ऋषभदेव जी से जोड़ सकती हूँ।

अगला

तो आप मेरा साथ मत छोड़ना।

अगला

मैं अपने साथ आपको सीधा तीर्थकर ऋषभदेव जी  
महाराज से जोड़ने का पूरा प्रयत्न करूँगी क्योंकि  
आपके पास अब केवल मैं ही वास्तविक रूप में  
तीर्थकर भगवान की स्मृति स्वरूप हूँ।

अगला

मुझे ज्ञात है, आप क्या विचार कर रहे हैं।

हमारे पास जो ग्रन्थ हैं, उन्हें हम जिनवाणी कहते हैं  
अर्थात् जिनेन्द्र भगवान की दिव्यध्वनि।

अगला

तो हुआ न तीर्थकर भगवान जी का साक्षात् स्वरूप  
हम सभी के पास।

अगला

**जी बिल्कुल! आप ठीक बोले।**

**पर एक बार विचार कीजिएगा, जो ग्रन्थ हमारे पास हैं, उन्हें ही हम जिनवाणी स्वरूप मानते-पूजते हैं ।**

**अगला**

भगवान की दिव्यध्वनि को गणधरों ने गूँथा, आचार्यों  
को सौंपा फिर परम्परा से हम तक बस थोड़ा-सा ही  
आ पाया है।

अगला

पर वह साक्षात् जिनवाणी नहीं है, परम्परा रूप से  
जिनवाणी है।

अगला

भगवान श्री ऋषभदेव जी के पावन निर्वाण के पश्चात्,  
एक कोड़ा-कोड़ी सागर की असीम काल-यात्रा पार  
कर, मैं आज आपके समक्ष उपस्थित हूँ — अनन्त  
युग-युगान्तर की पवित्र स्मृतियाँ, अक्षुण्ण ज्ञान-गंगा  
और भगवान ऋषभदेव की दिव्य धरोहर के साथ।

अगला

तो आप समझ गए न; मैं कैसे हूँ, साक्षात् तीर्थकर  
भगवान जी की स्मृति स्वरूप।

अगला

आप मुझे सीखने के लिए रोज कितना समय देना  
चाहेंगे?

3 मिनट

5 मिनट

8 मिनट

10 मिनट

15 मिनट

**अरे वाह!**

इसका अर्थ यह है कि आप बहुत कम समय में  
सम्पूर्ण ब्राह्मी लिपि सीख सकते हैं।

**अगला**

आइए! तो करते हैं

आरम्भ से प्रारम्भ।

अगला

स्वर

अ आ इ ई

ऋ ऋः ::

अगला

उ ऊ ए ऐ

U    Ū    E    AE

अगला

ओ औ अं अः

८ ९ १० ११ :

अगला

क्या अब आप मेरे साथ अभ्यास करना चाहेंगे?

हाँ

नहीं

गेम टाइम

देवनागरी → ब्राह्मी

अगला

अ

कः लः

आ

ः ॲ ॲ ॲ

॥

ः । । ॥

॥

Δ L L ::

ॐ

ए ल आ ::

ॐ

Δ Χ Ε ::

ए

:: आ क . ख

ऐ

ए ल ल अ

ओ

ए आ ल ::

ओौ

ल ल अ :

अं

क् त् त् ::

अः

अः कः लः लः

अगला

हुर्रे!

आप वास्तविक विशेष जिज्ञासु और सीखने के  
इच्छुक हैं,  
तभी तो आप इस अनोखी यात्रा के इस पड़ाव तक  
पहुंच पाए हैं।

हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं!

## सच/झूठ प्रश्न मंच

“ब्राह्मी एक भाषा है?”

सही गलत

## पुरस्कार : 1

आपने पहला चरण सफलतापूर्वक पूरा किया!

आपका “पहला कदम” पदक अब आपका है।

यह सिर्फ एक शुरुआत है — आगे और भी  
रोमांचक स्तर आपका इंतज़ार कर रहे हैं।

आपके हर सही कदम के साथ, आप ज्ञान की  
सीढ़ियों पर और ऊपर बढ़ते जाएंगे।

अपनी जीत को

साझा करें/डाउनलोड करें

चलिए अब हम उल्टा गेम खेलते हैं।

ब्राह्मी → देवनागरी

अगला

K

अ आ इ उ

ऋ

अ आ इ ओ

••

ऊ इ ए ऐ

• •  
• •

ए अं आ ई

L

इ ओ उ अः

ए

ऊ ए अं ए

Δ

ओ अं अः ए

Δ

ए ऐ ऊ उ

l

ॐ ओ अः आ

॥

ओ अ अं औ

४ •

अं अः ओ उ

K :

अं ए अः इ

## पुरस्कार : 2

आपने दूसरा चरण पूरा किया – “दूसरा कदम”

पदक

शानदार! आपने एक और मील का पत्थर पार किया  
“ज्ञान योद्धा” पदक अब आपका है।

अपनी जीत को

साझा करें/डाउनलोड करें

**आइए! अब लिखने का अभ्यास करते हैं।**

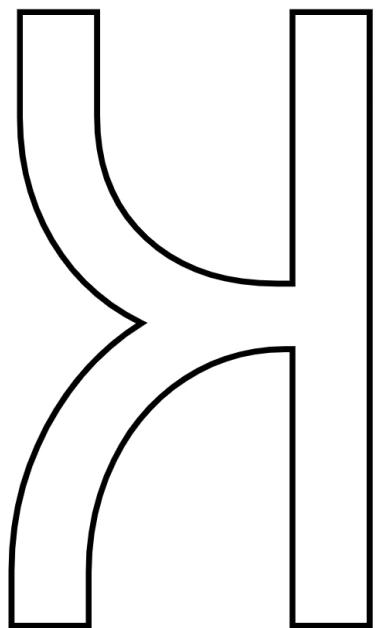
**क्या आप मुझे लिखने के लिए उत्साहित हैं?**

**आप मुझे प्रतिक्रिया दे सकते हैं**

**और हां मुझे निष्पक्ष प्रतिक्रिया ही दीजिएगा।**

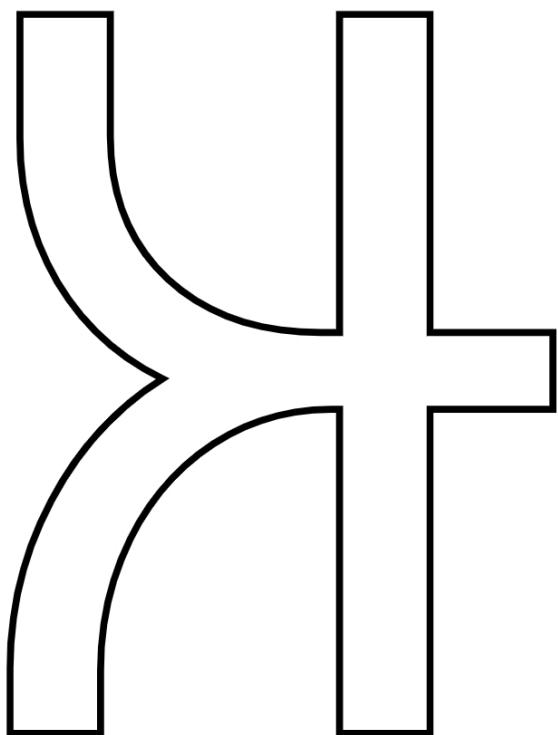
**अगला**

अ → ख



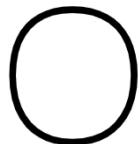
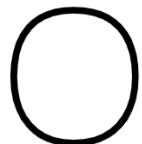
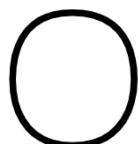
आ → ख

---



॥ → ::

---



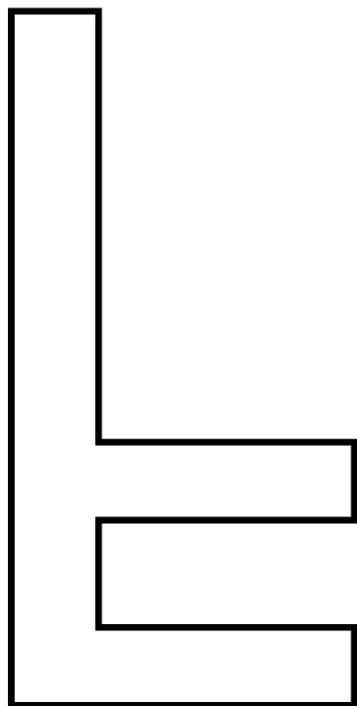
॥ → ::



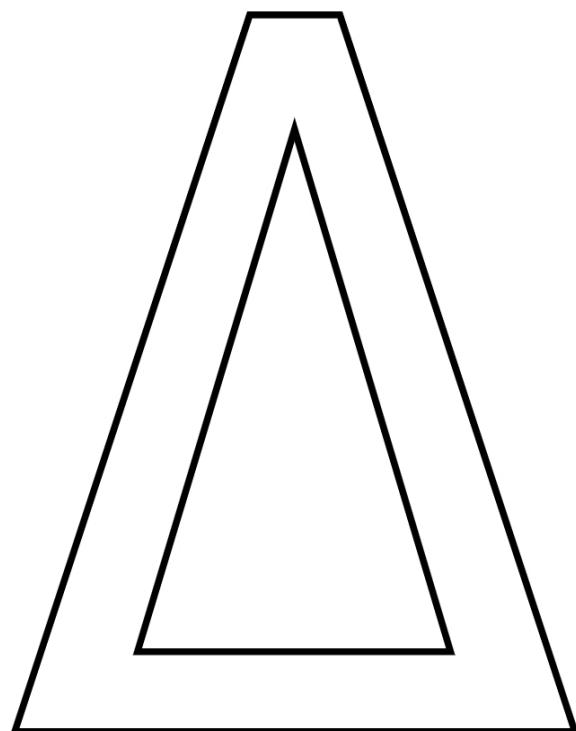
ॐ → L



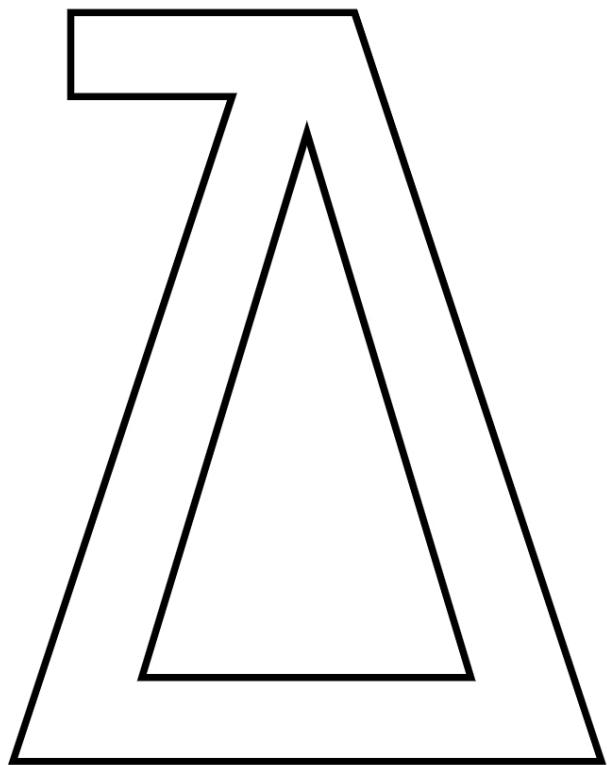
ॐ → ए



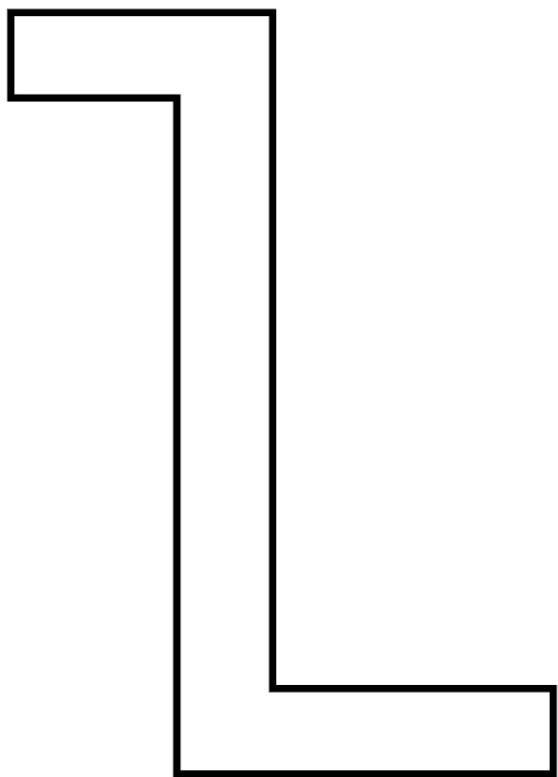
ए → आ



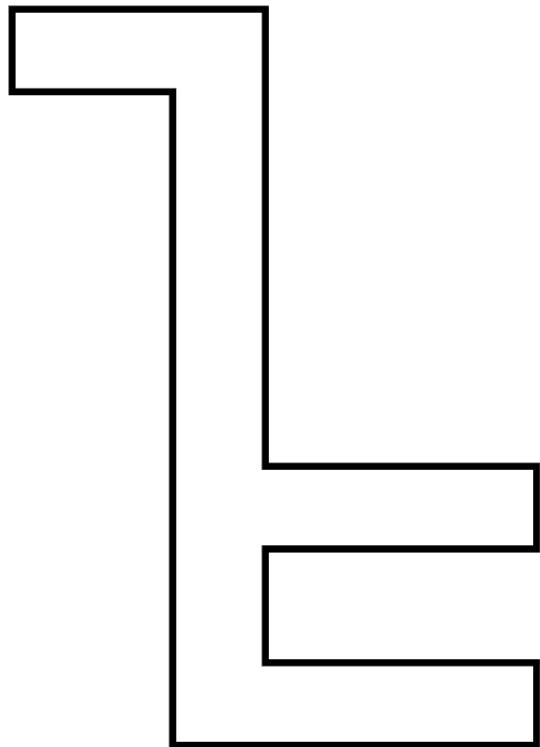
ऐ → आ



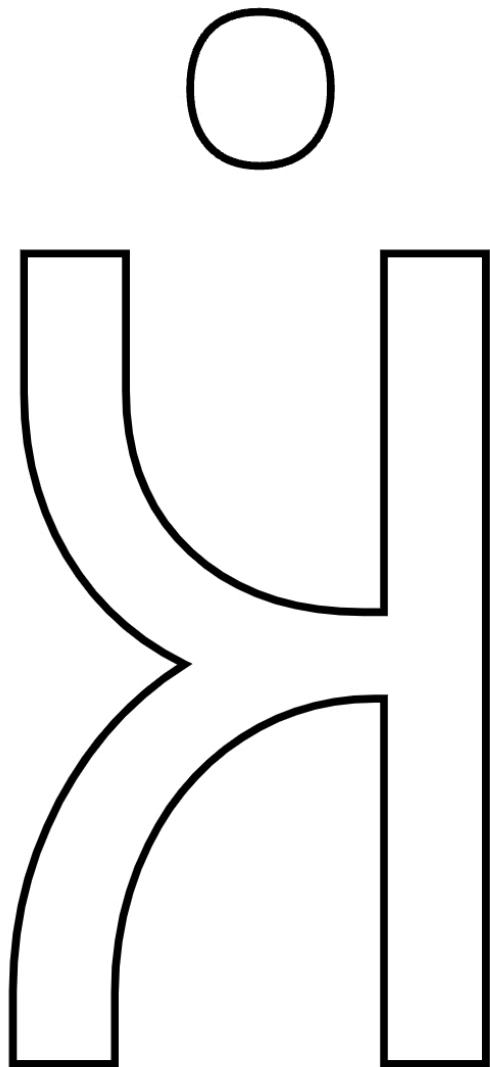
ओ → ल



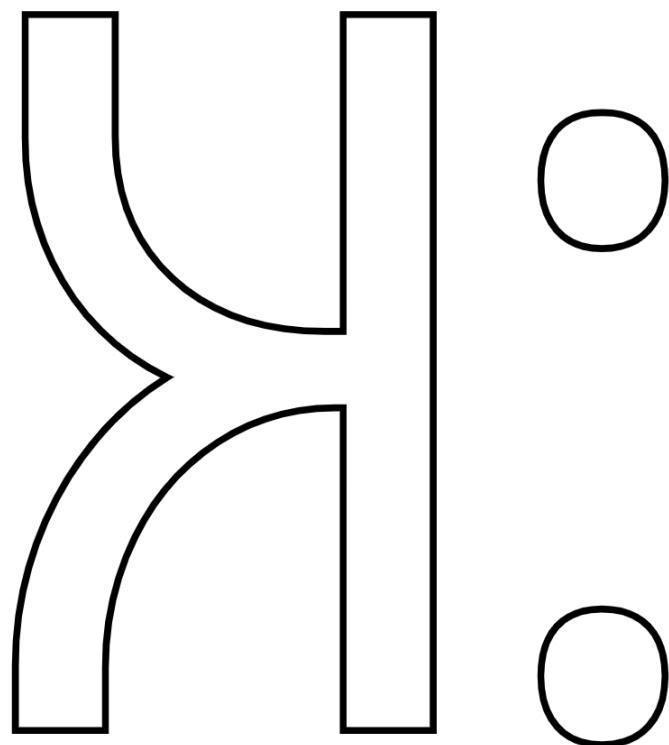
ओ → ल



ॐ → कौ.



अः → कः



आप सचमुच ज्ञान के सागर में गोता लगा रहे हैं –  
बहुत अच्छे!

## पुरस्कार : 3

आपने तीसरा चरण पूरा किया – “तीसरा कदम”

पदक

बढ़िया! आपका आत्मविश्वास प्रशंसनीय है “सीखने का सितारा” पदक प्राप्त किया आपने।

अपनी जीत को

साझा करें/डाउनलोड करें

स्वर अभ्यास – देवनागरी → ब्राह्मी

सत्य/असत्य चुनिए

“अ” का चिह्न [अ ] है?

“आ” का चिह्न [ः ] है?

“इ” का चिह्न [ए ] है?

“ई” का चिह्न [ঃ ] है?

अगला

“उ” का चिह्न [ए ] है?

“ऊ” का चिह्न [ए ] है?

“ए” का चिह्न [ए ] है?

“ऐ” का चिह्न [ए ] है?

अगला

“ओ” का चिह्न [ए ] है?

“औ” का चिह्न ? [ःः ] है?

“अं” का चिह्न [अ̄ ] है?

“अः” का चिह्न [अः ] है?

अगला

आप सूर्य की तरह चमक रहे हैं – प्रकाश प्रसारित  
करते रहिए!

## पुरस्कार : 4

आपने चौथा चरण पूरा किया – “चौथा कदम”

पदक

आपने सही निशाना लगाया - “लक्ष्य साधक” का  
सम्मान प्राप्त किया।

अपनी जीत को

साझा करें/डाउनलोड करें

आप सबसे आगे निकल रहे हैं, अपार आनन्द आ  
रहा है!

अगला

अब आपके ऊपर है, क्या सीखना चाहते हैं?

मात्रा चिह्न

व्यञ्जन

## मात्रा चिह्न

अपने सही विकल्प चयन किया है क्रमानुसार

“आप सही मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ रहे हैं —  
आपके इस सुन्दर चयन और संकल्प के लिए ढेरों  
शुभकामनाएं। आपकी यह यात्रा सफलता और  
गौरव से भरपूर हो!”

“श्रेष्ठ ज्ञानी”

बधाई हो, चैम्पियन!

आपने न सिर्फ सही चयन किया, अपितु अपने ज्ञान  
का बेहतरीन प्रयोग भी किया है।

आपका पुरस्कार : 5 पॉइंट्स + “श्रेष्ठ ज्ञानी” पदक  
यह पदक आपके तेज दिमाग और सही निर्णय का  
प्रमाण है।

सन्देशः

“ज्ञान वही है, जो उचित समय पर उचित स्थान पर  
प्रयोग में आवे आपने यह सत्यापित कर दिया है!”

## ब्राह्मी लिपि में मात्रा चिह्न परिचय

“स्वरों को अकेले लिखने पर उनका अपना अलग चिह्न होता है, लेकिन जब वे किसी व्यञ्जन के साथ मिलते हैं, तो वे मात्रा चिह्न बन जाते हैं।”

अगला

## मात्रा

स्वर का छोटा रूप, जो व्यञ्जन के साथ जुड़कर  
उसकी ध्वनि बदल देता है।

## अगला

## स्वरों के मात्र चिह्न

अ ॥ कोई चिह्न नहीं

आ ख ०-

॥ ॥

॥ ॥ ॥

अ ल ओ

ଓ ট ল

¤ Δ ◦

ऐ आ ओ

ओ ल् ०-

ओ ए ओ=

अं क०

अः खः ०ः

## मात्रा चिह्न – सीखने के नियम

स्वतन्त्र स्वर

नियम 1:

जब स्वर शब्द वा आरम्भ में अथवा अकेले हों, तो वे  
अपना स्वतन्त्र रूप लेते हैं।

उदाहरणः

अ (अ), आ (आ), इ (इ)...

## मात्रा चिह्न

### नियम 2:

जब स्वर किसी व्यञ्जन के बाद आता है तो वह मात्रा बन जाता है और व्यञ्जन से जुड़कर लिखा जाता है।

### उदाहरणः

+ + ○<sup>-</sup> → +<sup>-</sup> (का)

## मात्रा का स्थान

### नियम 3:

मात्राएं अलग-अलग स्थान पर लग सकती हैं:

↑ ऊपर    ↓ नीचे    → आगे    ← पीछे

उदाहरणः

कि (+⁻ ) – ऊपर      के (+⁻ ) – पीछे

## विशेष ध्यान

### नियम 4:

ब्राह्मी में मात्राओं का आकार और स्थान, देवनागरी से कुछ पृथक् है।

मार्गदर्शन : ध्यान से देखें, ट्रेस करें और पहचानें।

अ (कोई मात्रा नहीं)

ब्राह्मी मात्रा रूपः — कुछ भी नहीं हाहाहा

उदाहरणः क (+ )

ट्रेसिंगः

1. अक्षर + हल्के रंग में दिखेगा
2. यूज़र अपनी उंगली या पेन से ट्रेस करेगा
3. तीन बार अभ्यास करने के बाद “अगला” बटन सक्रिय होगा

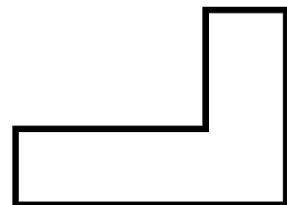
आ → ॐ मात्रा (०⁻) स्वतन्त्र स्वरः ॲ

मात्रा चिह्नः ०⁻



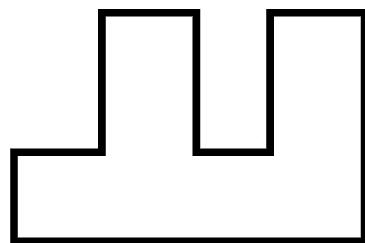
इ → मि मात्रा (०<sup>२</sup>) स्वतन्त्र स्वरः :-

मात्रा चिह्नः ०<sup>२</sup>



ई → ऋ मात्रा (०<sup>२</sup>) स्वतन्त्र स्वरः ::

मात्रा चिह्नः ०<sup>२</sup>



उ मात्रा (०\_ ) स्वतन्त्र स्वरः L

मात्रा चिह्नः ०\_



ऊ मात्रा (०=) स्वतन्त्र स्वरः उ

मात्रा चिह्नः ०=



ए मात्रा (ॐ) स्वतन्त्र स्वरः Δ

मात्रा चिह्नः ॐ



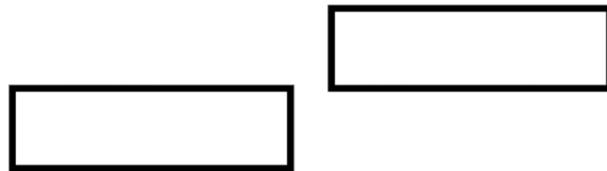
ऐ मात्रा (०̄ ) स्वतन्त्र स्वरः Δ

मात्रा चिह्नः ०̄



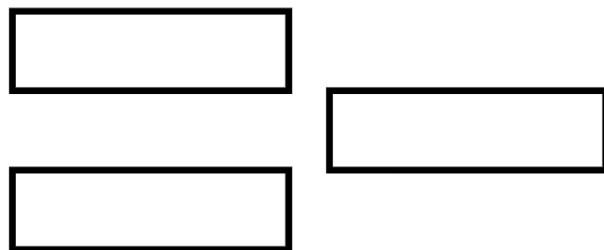
ओ मात्रा (○⁻⁻) स्वतन्त्र स्वरः १

मात्रा चिह्नः ○⁻⁻



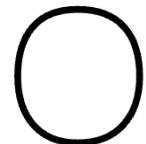
ओौ मात्रा (○= ) स्वतन्त्र स्वरः १

मात्रा चिह्नः ○=



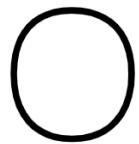
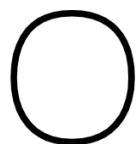
अं मात्रा (०̄) स्वतन्त्र स्वरः ॥ ०

मात्रा चिह्नः ०̄



अः मात्रा (०ः ) स्वतन्त्र स्वरः ॥ :

मात्रा चिह्नः ०ः



(प्रमोशन + इंट्रो)

बधाई हो!

आप यहां तक शानदार तरीके से पहुंचे हैं – आपकी  
परिश्रम और जिज्ञासा प्रशंसनीय है!

अगला

लेवल-अप अलर्ट!

आपने इतनी लगन से स्वर और मात्राएं सीखी हैं कि  
अब हम आपको बोनस प्रमोशन दे रहे हैं।

बोनस गिफ्टः

अगला

## आपको अब एक व्यञ्जन का विशेष परिचय बिल्कुल पाठ से पहले मिलेगा!

यह व्यञ्जन आपको समझने में सहयोग करेगा कि  
कैसे मात्राएं किसी भी व्यञ्जन के साथ मिलकर  
शब्दों को बनाती हैं।

अगला

## कैसे काम करेगा?

आप अपनी रुचि के अनुसार किसी एक व्यञ्जन का चयन करें। हम आपको उसका रूप, उच्चारण, लिखावट और मात्रा के साथ प्रयोग सिखाएंगे।

अगला

# चयन करें — आपको किस व्यञ्जन का परिचय चाहिए?

वर्गानुसार सूची

(जिससे सीखने वाला सहजता से पहचान सके)

अगला

## कण्ठ्य (गले से उच्चरित)

1. क – +

2. ख – ७

3. ग – ई

4. घ – श

5. ङ – ञ

अगला

## तालव्य (तालू से उच्चरित)

6. च – प

7. छ – फ

8. ज – ए

9. झ – ऐ

10. अ – ह

अगला

## मूर्धन्य (जीभ को पीछे मोड़कर)

11. ट - C

12. ठ - O

13. ड - M

14. ढ - G

15. ण - I

अगला

दन्त्य (दांतों के पास जीभ रखकर)

16. त - त

17. थ - थ

18. द - द

19. ध - ध

20. न - न

अगला

## ओष्ठ्य (ओठों से)

21. प – श

22. फ – ब्र

23. ब – द्व

24. भ – न्न

25. म – घ

अगला

अन्तःस्थ (अर्धस्वर)

26. य – ं

27. र – ।

28. ल – ञ

29. व – ऊ

अगला

उष्म (श्वास से उत्पन्न)

30. श – ई

31. ष – इ

32. स – ई

33. ह – ई

अगला

## निर्देशः

नीचे अपना रुचिकर का व्यञ्जन चयन कीजिए —  
और शीघ्र ही उसका परिचय, उच्चारण और मात्रा के  
साथ प्रयोग सीखना शुरू करें।

कण्ठ्यः क + , ख ॥ , ग ʌ , घ ʃ , ङ ɳ

तालव्यः च ɖ , छ ʈ , ज ɖ , झ ڻ , ज ʈ

मूर्धन्यः ट ʈ , ठ ʈ , ड ɖ , ढ ɖ , ण ɳ

दन्त्यः त ʌ , थ Ө , द ɔ , ध ɒ , न ʌ

ओष्ठ्यः प ʃ , फ ʃ , ब ɒ , भ ɒ , म ɒ

अन्तःस्थः य ɿ , र ɿ , ल ɿ , व ɿ

उष्मः श ʌ , ष ڻ , स ڻ , ह ʃ

## बोनस व्यञ्जन परिचय – “क” (+ )

स्वागतम्

आपने “क” व्यञ्जन का चयन किया है!

आज हम सीखेंगे – इसका रूप, उच्चारण और  
मात्राओं के साथ प्रयोग पढ़ना और लिखना

अगला

चलिए आरम्भ करते हैं!

स्वतन्त्र रूप

ब्राह्मी लिपि में “क” का रूपः + है।

उच्चारणः क (जैसे – कमल, कक्षा)

प्रयास कीजिए— जोर से बोलें: क... क... क

## बिना मात्रा

जब “क” अकेला होता है → + (ध्वनि: क)

बिना मात्रा = केवल व्यञ्जन ध्वनि + ‘अ’ स्वर

स्वतः जुड़ा रहता है।

## मात्राओं के साथ “क”

अ (मात्रा चिह्न कुछ नहीं) + क +

आ ○ - + - का + -

इ ○ - + - कि + -

ई ○ " + " की + "

अगला

उ	०-	+ -	कु	+ -
ऊ	०=	+ =	कू	+ =
ए	ጀ	+ -	के	+ -
ऐ	ጀ=	+ =	कै	+ =

अगला

ओ ḥ- + - को + -

औ ḥ=+ + = कौ + =

अं ḥ· + · कं + ·

अः ḥः + : कः + :

अगला

## उच्चारण अभ्यास

ध्वनि सुनें और दोहराएं:

क - का - कि - की - कु - कू - के - कै - को -  
कौ - कं - कः

## पहचान अभ्यास (देवनागरी → ब्राह्मी)

“का” → [ + - ]

“कु” → [ + . ]

“कं” → [ + · ]

## उल्टा अभ्यास (ब्राह्मी → देवनागरी)

+ = → “कै”

+ " → “की”

+ =- → “कौ”

## मिलान गेम

कॉलम A (ब्राह्मी)

+ - | + - | + - | + .

कॉलम B (देवनागरी)

का | को | कु | कं

(सही जोड़ी मिलाएं)

## रिक्त स्थान भरें।

1. +    = कि (उत्तरः ॑ )

2. +    = कौ (उत्तरः ॒ )

3. +    = के (उत्तरः ॒ )

4. +    = कः (उत्तरः ॒ )

5. +    = कं (उत्तरः ॑ )

## ट्रेसिंग अभ्यास

अपनी उंगली/पेन से + और उसकी सभी मात्राओं  
वाले रूप ट्रेस करें।

(ट्रेसिंग एनीमेशन दिखाई देगा)

अगला

## ब्राह्मी लिपि – स्वर मात्राओं का ट्रेसिंग अभ्यास

“अब तक आपने स्वर सीखे, अब जानिए कि ये व्यञ्जन के साथ मिलकर कैसे मात्राएं बनाते हैं। हम हर मात्रा का रूप, स्थान और लिखने की पद्धति सीखेंगे — और आप स्वयं उन्हें ट्रेस करेंगे।”

## अभ्यास मोड

देखो और ट्रेस करो: एनिमेशन + गाइडेड स्ट्रोक

स्वयं लिखो: खाली कैनवास पर मात्रा जोड़ो

ऑटो चैक: सही/गलत का तुरन्त चैक

## क्विज़ मोड

1. मात्रा देखो → नाम बताओ
2. आवाज सुनो → मात्रा लगाओ
3. ब्राह्मी से देवनागरी और उल्टा अभ्यास

## मिक्स किव़ज़

सुनकर सही ब्राह्मी चिह्न चुनें

फोटो में मात्रा पहचानें

देवनागरी से ब्राह्मी और ब्राह्मी से देवनागरी बदलें

## समापन

उत्तम! आपने “क” व्यञ्जन का रूप, उच्चारण,  
और मात्राओं के साथ प्रयोग सीख लिया।

बोनस पदक अनलॉक: “व्यञ्जन एक्सप्लोरर”

## बोनस व्यञ्जन परिचय – “ख” (१ )

स्वागतम्

आपने “ख” व्यञ्जन चुना है!

आज हम सीखेंगे – इसका रूप, उच्चारण और  
मात्राओं के साथ प्रयोग पढ़ना और लिखना

अगला

चलिए आरम्भ करते हैं!

स्वतन्त्र रूप

ब्राह्मी लिपि में “ख” का रूपः । है।

उच्चारणः ख (जैसे – खड़गा, खेल)

प्रयत्न करें – जोर से बोलें: ख... ख... ख

## बिना मात्रा

जब “ख” एकाकी होता है → ७ (ध्वनि: ख)

बिना मात्रा = केवल व्यञ्जन ध्वनि + ‘अ’ स्वर

स्वतः जुड़ा रहता है।

## मात्राओं के साथ “ख”

अ (मात्रा चिह्न कुछ नहीं) ॥ ख ॥

आ ॐ + - खा ॥ -

इ ॐ + - खि ॥ -

ई ॐ + - खी ॥ -

अगला

उ ၎\_ + \_ खु न -

ऊ ၎\_= + = खू न =

ए ၎\_ + - खे न -

ऐ ၎\_= + = खै न =

अगला

ओ ○- + - खो ॥ -

औ ○= + = खौ ॥ =

अं ○+ + . खं ॥ .

अः ○ः + : खः ॥ :

अगला

## उच्चारण अभ्यास

ऑडियो सुनें और दोहराएं:

ख - खा - खि - खी - खु - खू - खे - खै - खो -  
खौ - खं - खः

## पहचान अभ्यास (देवनागरी → ब्राह्मी)

“खा” → [ ७ - ]

“खु” → [ ७ - ]

“खं” → [ ७ • ]

अगला

## उल्टा अभ्यास (ब्राह्मी → देवनागरी)

ग = → “खै”

ग “ → “खी”

ग =- → “खौ”

अगला

मिलान गेम

कॉलम A (ब्राह्मी)

॥ - | ॥ - | ॥ - | ॥ .

कॉलम B (देवनागरी)

खा | खो | खु | खं

(सही जोड़ी मिलाएं)

## रिक्त स्थान भरें।

1. ए \_\_\_\_ = खि (उत्तरः ॑ )

2. ए \_\_\_\_ = खौ (उत्तरः ॒ )

3. ए \_\_\_\_ = खे (उत्तरः ॒ )

4. ए \_\_\_\_ = खः (उत्तरः ॒ )

5. ए \_\_\_\_ = खं (उत्तरः ॒ )

## ट्रेसिंग अभ्यास

अपनी उंगली/पेन से १ और उसकी सभी मात्राओं  
वाले रूप ट्रेस करें।

(ट्रेसिंग एनीमेशन दिखाई देगा)

अगला

(यहां “क” की तरह ही मात्रा ट्रेसिंग लूप)

## समापन

शानदार! आपने “ख” व्यञ्जन का रूप, उच्चारण,  
और मात्राओं के साथ प्रयोग सीख लिया।

बोनस पदक अनलॉक: “व्यञ्जन एक्सप्लोरर”

## बोनस व्यञ्जन परिचय – “ग” (ग )

स्वागतम्

आपने “ग” व्यञ्जन चुना है!

आज हम सीखेंगे – इसका रूप, उच्चारण और  
मात्राओं के साथ प्रयोग पढ़ना और लिखना

अगला

चलिए शुरू करते हैं!

स्वतन्त्र रूप

ब्राह्मी लिपि में “ग” का रूपः ग है।

उच्चारणः ग (जैसे – गमला, गेंद)

कोशिश करें – जोर से बोलें: ग... ग... ग

## बिना मात्रा

जब “ग” अकेला होता है → ग (ध्वनि: ग)

बिना मात्रा = सिर्फ व्यञ्जन ध्वनि + ‘अ’ स्वर

स्वतः जुड़ा रहता है।

अगला

## मात्राओं के साथ “ग”

अ (मात्रा चिह्न कुछ नहीं) अ ग अ

आ ○ + - गा अ -

इ ○ + - गि अ -

ई ○ + " गी अ "

अगला

उ०\_ + \_ गुΛ\_

ऊ०\_= +\_= गुΛ\_=

ए० + गेΛ-

ऐ०= + = गैΛ=

अगला

ओ ○⁻ + ⁻ गो Λ ⁻

औ ○⁼ + ⁼ गौ Λ ⁼

अं ○· + · गं Λ ·

अः ○ः + : गः Λ :

अगला

## उच्चारण अभ्यास

ऑडियो सुनें और दोहराएं:

ग – गा – गि – गी – गु – गू – गे – गै – गो – गौ –  
गं – गः

## पहचान अभ्यास (देवनागरी → ब्राह्मी)

“गा” → [Λ - ]

“गु” → [Λ - ]

“गं” → [Λ · ]

## उल्टा अभ्यास (ब्राह्मी → देवनागरी)

Λ = → “गै”

Λ “ → “गी”

Λ =- → “गौ”

## मिलान गेम

कॉलम A (ब्राह्मी)

Λ⁻ | Λ- | Λ⁻ | Λ·

कॉलम B (देवनागरी)

गा | गो | गु | गं

रिक्त स्थान भरें।

1. अ \_\_\_\_\_ = गि (उत्तरः ॑ )

2. अ \_\_\_\_\_ = गौ (उत्तरः ॒ )

3. अ \_\_\_\_\_ = गे (उत्तरः ॒ )

4. अ \_\_\_\_\_ = गः (उत्तरः ॒ )

5. अ \_\_\_\_\_ = गं (उत्तरः ॑ )

## ट्रेसिंग अभ्यास

अपनी उंगली/पेन से और उसकी सभी मात्राओं  
वाले रूप ट्रेस करें।

अगला

(“क” की तरह ही मात्रा ट्रेसिंग लूप)

## समापन

उत्तम! आपने “ग” व्यञ्जन का रूप, उच्चारण, और मात्राओं के साथ प्रयोग सीख लिया।

बोनस पदक अनलॉक: “व्यञ्जन एक्सप्लोरर”

## बोनस व्यञ्जन परिचय – “घ” (શ )

स्वागतम्

आपने “घ” व्यञ्जन चुना है!

आज हम सीखेंगे – इसका रूप, उच्चारण और  
मात्राओं के साथ प्रयोग पढ़ना और लिखना

अगला

चलिए शुरू करते हैं!

स्वतन्त्र रूप

ब्राह्मी लिपि में “घ” का रूपः ॥ है।

उच्चारणः घ (जैसे – घर, घड़ी)

कोशिश करें – जोर से बोलें: घ... घ... घ

## बिना मात्रा

जब “घ” अकेला होता है → ॥ (धनिः घ)

बिना मात्रा = सिर्फ व्यञ्जन धनि + ‘अ’ स्वर

स्वतः जुड़ा रहता है।

अगला

## मात्राओं के साथ “घ”

अ (मात्रा चिह्न कुछ नहीं) ८ घ ८

आ ० + - घा ८ -

इ ०' + ' घि ८'

ई ०" + " घी ८"

अगला

उ०\_ + - घु८ -

ऊ०\_= + = घु८ =

ए० + - घे८ -

ऐ०= + = घै८ =

अगला

ओ ○⁻ + ⁻ घो श ⁻

औ ○⁼ + ⁼ घौ श ⁼

अं ○⁺ + ⋅ घं श ⋅

अः ○ः + : घः श :

अगला

## उच्चारण अभ्यास

ऑडियो सुनें और दोहराएं:

घ - घा - घि - घी - घु - घू - घे - घै - घो - घौ -  
घं - घः

## पहचान अभ्यास (देवनागरी → ब्राह्मी)

“घा” → [ ḡ - ]

“घु” → [ ḡ - ]

“ং” → [ ḡ · ]

## उल्टा अभ्यास (ब्राह्मी → देवनागरी)

ઉ = → “ઘૈ”

ઉ “ → “ઘી”

ઉ =- → “ઘૌ”

मिलान गेम

कॉलम A (ब्राह्मी)

ॳ - | ॳ - | ॳ - | ॳ .

कॉलम B (देवनागरी)

घा | घो | घु | घं

## रिक्त स्थान भरें।

1. श        = धि (उत्तरः ॑ )

2. श        = धौ (उत्तरः ॒ )

3. श        = धे (उत्तरः ॒ )

4. श        = धः (उत्तरः ॒ )

5. श        = धं (उत्तरः ॒ )

## ट्रेसिंग अभ्यास

अपनी उंगली/पेन से ले और उसकी सभी मात्राओं  
वाले रूप ट्रेस करें।

अगला

(“क” की तरह ही मात्रा ट्रेसिंग लूप)

## समापन

शानदार! आपने “घ” व्यञ्जन का रूप, उच्चारण,  
और मात्राओं के साथ प्रयोग सीख लिया।  
  
बोनस पदक अनलॉकः “व्यञ्जन एक्सप्लोरर”

## बोनस व्यञ्जन परिचय – “ड़” (ऽ )

स्वागतम्

आपने “ड़” व्यञ्जन चुना है!

आज हम सीखेंगे – इसका रूप, उच्चारण और  
मात्राओं के साथ प्रयोग पढ़ना और लिखना

अगला

चलिए शुरू करते हैं!

स्वतन्त्र रूप

ब्राह्मी लिपि में “ঁ” का रूपः [ ] है।

उच्चारणः ঁ (जैसे – अंग, पंख)

कोशिश करें – जोर से बोलें: ঁ... ঁ... ঁ

## बिना मात्रा

जब “ङ्” अकेला होता है → [ (ध्वनि: ङ्)

बिना मात्रा = सिर्फ व्यञ्जन ध्वनि + ‘अ’ स्वर

स्वतः जुड़ा रहता है।

अगला

## मात्राओं के साथ “ड़”

अ (मात्रा चिह्न कुछ नहीं) ॥ ड ॥

आ ॥ + ॥ डा ॥

इ ॥ + ॥ डि ॥

ई ॥ + ॥ डी ॥

अगला

उ०\_ + - श॒ [ -

ऊ०= + = श॒ [ =

ए० + श॑ [ -

ऐ०= + = श॑ [ =

अगला

ओ ○- + - डो [ -

औ ○=+ = डौ [ =

अं ○+ . डं [ .

अः ○ः + : डः [ :

अगला

## उच्चारण अभ्यास

ऑडियो सुनें और दोहराएं:

ঁ - ঙা - ঙি - ঙী - ঙু - ঙূ - ঙে - ঙৈ - ঙো - ঙৌ  
- ঙঁ - ঙঃ

## पहचान अभ्यास (देवनागरी → ब्राह्मी)

“ङ” → [ င̄ ]

“ঁ” → [ င̄ - ]

“ঁ” → [ င̄ • ]

## उल्टा अभ्यास (ब्राह्मी → देवनागरी)

[ = → “कुं”

[ “ → “डी”

[ =- → “डौ”

मिलान गेम

कॉलम A (ब्राह्मी)

ऋ | ॠ | ॲ | ॲ̄

कॉलम B (देवनागरी)

ঢা | ঢো | ঙুঁ | ঙঁ

## रिक्त स्थान भरें।

1. [ ] = डि (उत्तरः ॑ )

2. [ ] = डौ (उत्तरः ॒ )

3. [ ] = डे (उत्तरः ॓ )

4. [ ] = डः (उत्तरः ॒ः )

5. [ ] = डं (उत्तरः ॒ः )

## ट्रेसिंग अभ्यास

अपनी उंगली/पेन से ॥ और उसकी सभी मात्राओं  
वाले रूप ट्रेस करें।

अगला

## (“क” के समानही मात्रा ट्रेसिंग लूप)

## समापन

उत्तम! आपने “ङ” व्यञ्जन का रूप, उच्चारण, और  
मात्राओं के साथ प्रयोग सीख लिया।

बोनस पदक अनलॉक: “व्यञ्जन एक्सप्लोरर”

(इसी प्रकार सभी व्यञ्जन के अभ्यास दिए जाएंगे।)

## व्यञ्जन

“आप सही मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन एक अध्याय अभी बाकी है!

आपके इस समझदार चुनाव और निरन्तर प्रयत्न के लिए ढेरों शुभकामनाएं।

चलिए, उस छूटे हुए अध्याय को भी जीतकर इस यात्रा को पूर्ण करते हैं!”